LIBRARY

SCHOOL OF PLANNING AND ARCHITECTURE, BHOPAL

S.No. 03 (June 2023)

दैनिक भास्कर (सिटी भास्कर) Page – 29 25/06/2023

कई कॉलेज स्पेशियस हॉस्टल और कई फैसिलिटीज प्रोवाइड करवाते हैं, ताकि घर को मिस न करें बच्चे

भोपाल के हॉस्टल्स हो रहे हैं अपग्रेड, एनआईडी को मिला नया हॉस्टल कैंपस

जिम, क्रिएटिविटी रूम, डांस-ड्रामा स्पेसेस और कैफे भी

सिटी रिपोर्टर. भोपाल

अपने घर से दूर रहकर बच्चे अपने हॉस्टल को ही अपना दूसरा घर बना लेते हैं। ऐसे में, भोपाल के कई कॉलेज बच्चों के लिए स्पेशियस हॉस्टल और कई फैसिलिटीज प्रोवाइड करवाते हैं, जिनसे बच्चे अपने लाइफ को इनोवेटिव करने के साथ अपने घर को भी ज्यादा मिस ना करें। सिटी भास्कर की टीम पहुंची शहर के यूनिवर्सिटीज में जहां उन्होंने हॉस्टल की सिलिटीज के बारे में जाना।

स्कूल ऑफ प्लानिंग एंड आर्किटेक्ट (एसपीए) के चीफ हॉस्टल वार्डन गौरव वैद्य बताते हैं कि घर से दूर घर जैसी फीलिंग देने के लिए हॉस्टल काउंसिल बच्चों को बेहतरीन फैसिलिटीज प्रोवाइड करवाने में मदद करती है। एसपीए भोपाल में हॉस्टलर्स, डे स्कॉलर और फैकल्टी के बीच अक्सर स्पोर्ट्स मैचेस का अयोजन होता है। जिसकी वजह से बच्चों को फैकल्टी से इंटरैक्शन का भी मौका मिलता है और वो को-करिकुलर एक्टिविटीज में भी इन्वॉल्व हो पाते हैं।

कैंपस में बैंक, एटीएम, म्यूजिक, डांस, ड्रामा, रीडिंग क्लब, लिटरेचर क्लब और इंडोर, आउटडोर स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स भी हैं। उन्होंने हॉस्टल की टाइमिंग पर बताया की हॉस्टल बच्चों के लिए 24x7 ओपन रहता है, यहां कोई रिस्ट्रिक्शन नहीं है, लेकिन बच्चों को रात 11 बजे से सुबह 6 बजे तक कैंपस के बाहर जाने के लिए कंसेंट परमिशन की जरूरत होती है।

मैनिट में बच्चे खुद चलाते हैं को-ऑपरेटिव मेस

मैनिट के चेयरमैन काउंसिल ऑफ वार्डन डॉ. पुष्पेंद्र यादव ने बताया कि मैनिट कैंपस में 12 हॉस्टल हैं। इनमें 10 बॉयज और 2 गर्ल्स हैं। मैनिट में बच्चे ही को-ऑपरेटिव मेस चलाते हैं। ब्रेकफास्ट से लेकर डिनर में क्या मेन्यू रहेगा, मेस का कॉन्ट्रैक्ट किसे देना है, यह सारी चीजें स्टूडेंट्स ही डिसाइड करते हैं। हॉस्टल फैसिलिटीज की बात करें तो जिम, सारे इंडोर और आउटडोर गेम्स, सुबह 6 बजे से रात 12 बजे तक खुलने वाली लाइब्रेरी शामिल है। कैंपस के अंदर टिलॉजी, नेस्केफे और अमूल जैसे ब्रांड्स के आउटलेट्स भी हैं।

लॉन्ड्री सर्विस के साथ एयर कंडीशंड कॉमन रूम

नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ डिजाइन (एनआईडी) के डायरेक्टर प्रो. धीरज कुमार कहते हैं कि हॉस्टल की फैसिलिटीज जितनी अच्छी होंगी, बच्चे उसमें उतना ही सेफ एंड सीक्योर फील करेंगे। हमने हॉस्टल को क्रिएटिवली डिजाइन किया है, जिसमें ऑक्यूपेंसी और वेंटिलेशन का खास ध्यान रखा गया है। लाइब्रेरी और स्पोर्ट्स क्लब सुबह 7 से रात 10 बजे तक खुले रहते हैं। वाईफाई, लॉन्ड्री, सीसीटीवी, पावर बैकअप, सोलर वॉटर हीटिंग के साथ बच्चों की काउंसलिंग के लिए कई काउंसलर भी मौजूद हैं।

नई तरह की फैसेलिटीज पर ध्यान दिया जा रहा है

हॉस्टल को डिजाइन करते समय अब बेसिक फेसेलिटीज यानी बेड, अल्मिरा और पढ़ाई के लिए टेबल-चेयर से आगे बढ़कर नई तरह की फेसेलिटीज पर ध्यान दिया जा रहा है, जो स्टूडेंट्स के कंफर्ट के साथ उनके ओवरऑल डेवलपमेंट में मदद करते हैं। फ्री-इंटरनेट, लॉन्ड्री सर्विस, स्टूडेंट्स के गेटटुगेदर के लिए स्पेस, छोटे-छोटे सेलिब्रेशन के लिए कैफे, स्पोर्ट्स एरिया, जिम... कुछ ऐसी जरूरतें हैं, जिन्हें अब टॉप प्रायॉरिटी पर रखा जा रहा है। **-डॉ संदीप संकट,** एचओडी, आर्किटेक्चर डिपार्टमेंट, एसपीए